

टूर संदर्भ
LKVRYQVXST

रामायण छुट्टी (10 दिन)

10 दिन · 9 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 10-दिवसीय निजी दौरा श्रीलंका में रामायण ट्रेल का अनुसरण करता है, हिंदू महाकाव्य से जुड़ी जगहों को द्वीप की व्यापक सांस्कृतिक और प्राकृतिक विशेषताओं के साथ जोड़ता है। मार्ग उत्तर और पूर्व में डम्बुल्ल और त्रिंकोमाली से शुरू होता है, कांडी और नुवारा एलिया के आसपास की पहाड़ी क्षेत्र से होकर गुजरता है, यला की जंगली भूमि और गल्ले के दक्षिण तट तक जाता है, और कोलंबो के पास नेगोम्बो के पास समाप्त होता है।

यात्री रामायण किंवदंती से जुड़ी मंदिरों और स्मारकों का दौरा करते हैं, जिनमें कोणेश्वरम मंदिर, सीता अम्मन मंदिर, दिवुरुंपोला मंदिर, कतारागम मंदिर, उसंगोडा, रुमस्सल और मुन्नेश्वरम मंदिर शामिल हैं, साथ ही डम्बुल्ल गुफा मंदिर, सिगिरिया रॉक फोर्ट्रेस और कांडी में पवित्र दाँत अवशेष मंदिर जैसे प्रमुख विरासत स्थल भी शामिल हैं। यह यात्रा कार्यक्रम चाय देश, हॉर्टन प्लेन्स की ट्रेकिंग, यला जीप सफारी, मसाला उद्यान, और कांडी, नुवारा एलिया, गल्ले और कोलंबो के शहर दौरे भी शामिल करता है।

यह दौरा पूरे समय एक निजी चालक गाइड और वातानुकूलित वाहन के साथ चलाया जाता है, साइट से साइट तक एक स्थिर गति से आगे बढ़ता है और रास्ते भर में होटल चेक-इन की व्यवस्था की जाती है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 एयरपोर्ट → दांबुला

कोलंबो एयरपोर्ट पहुंचने पर आपकी अगवानी एक Lakpura शोफर गाइड द्वारा की जाएगी, जो आपको दांबुला ले जाएंगे। रास्ते में आप एक ऐतिहासिक गुफा मंदिर और एक हाथी अनाथालय देखेंगे।



दांबुला गुफा मंदिर

दांबुला के स्वर्ण मंदिर की गुफाएं पहली शताब्दी ईसा पूर्व की हैं और इनमें बुद्ध के जीवन से जुड़े प्राचीन भित्तिचित्र तथा पांच मुख्य गुफाओं में फैली बुद्ध और देवताओं की सैकड़ों मूर्तियां मौजूद हैं, जिनमें दिव्य राजा की गुफा और महान राजा की गुफा शामिल हैं। गुफा परिसर से कुछ दूरी पर एक विशाल स्वर्ण बुद्ध प्रतिमा स्थापित है।

Lankapic · CC BY 2.5



पिन्नावाला हाथी अनाथालय

सबरागमुवा प्रांत के पिन्नावाला गांव के निकट स्थित यह अनाथालय अपने प्राकृतिक आवास से विस्थापित हुए युवा हाथियों की देखभाल करता है और यहां दुनिया के सबसे बड़े थलीय स्तनधारी के साथ नज़दीकी मुलाकात का अनुभव मिलता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 2 दाम्बुल्ला → त्रिंकोमाली → दाम्बुल्ला

त्रिंकोमाली की एक दिन की यात्रा में एक चट्टान पर स्थित हिंदू मंदिर, एक समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और एक लोकप्रिय समुद्र तट की सैर शामिल है, जिसके बाद दाम्बुल्ला लौटा जाता है।



कोणेश्वरम मंदिर

त्रिंकोमाली को निहारती स्वामी रॉक की चोटी पर बना यह मंदिर भगवान शिव को कोणेसर रूप में समर्पित है, और किंवदंती के अनुसार सम्राट रावण ने एक बार इस चट्टान पर तपस्या की थी।

Shamli071 · CC BY-SA 3.0



पिजन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान

श्रीलंका के दो समुद्री राष्ट्रीय उद्यानों में से एक, पिजन द्वीप निलावेली के तट के निकट स्थित है और इसमें एक बड़ा तथा एक छोटा द्वीप शामिल हैं, जहां देश की कुछ बेहतरीन शेष कोरल रीफ मौजूद हैं।

AntanO · CC BY-SA 4.0



निलावेली समुद्र तट

त्रिंकोमाली के निकट यह लोकप्रिय तट स्कूबा डाइविंग सहित जल क्रीड़ाओं के लिए जाना जाता है।

Anton 17 · CC BY-SA 4.0

दिन 3 दाम्बुल्ला → सिगिरिया → मतले → कैंडी

इस दिन सिगिरिया रॉक फोर्ट्रेस की चढ़ाई को मतले में मसाला बागान की सैर के साथ जोड़ा गया है, इसके बाद कैंडी में शहर भ्रमण और सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम होगा।



सिगिरिया रॉक फोर्ट्रेस

5वीं शताब्दी ईस्वी का यह चट्टानी किला राजा कश्यप के शासनकाल में बना था, जिसमें प्रवेश विशाल सिंह-पंजों से सुसज्जित द्वार से होता है। यहां आने वाले पर्यटक प्रसिद्ध न मिटने वाले भित्तिचित्रों को देखते हैं, सीढ़ीदार बगीचों और अब भी कार्यरत जलाशयों के बीच से तीखी सीढ़ियां चढ़ते हैं, और पुराने महल की ओर जाने वाली सुरंगों से गुजरते हैं।

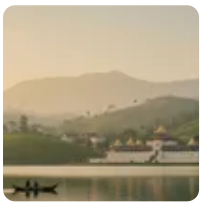
Wrobell · CC BY-SA 3.0



मसाला बागान, मतले

श्रीलंका की मसाला राजधानी मतले के निकट स्थित ये मसाला बागान आयुर्वेद में उपयोग होने वाली जड़ी-बूटियों, मसालों और पौधों की खेती करते हैं, जहां एक निर्देशित भ्रमण के दौरान उनके उपयोग और उत्पत्ति के बारे में बताया जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



कैंडी शहर भ्रमण

कैंडी शहर की यह सैर शाम के सांस्कृतिक कार्यक्रम से पहले शहर से परिचय कराती है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



कैंडी सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम

यह एक घंटे का कार्यक्रम श्रीलंका की पारंपरिक कला रूपों को प्रदर्शित करता है, जिसमें अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और ढोल की थाप पर कैंडियन नर्तक शामिल हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0

दिन 4 कैंडी → नुवारा एलिया

दिन की शुरुआत कैंडी में पवित्र दंत अवशेष मंदिर से होती है, इसके बाद नुवारा एलिया के रास्ते में एक जलप्रपात देखा जाता है, और अंत में रामायण गाथा से जुड़े दो मंदिरों की सैर की जाती है।



पवित्र दंत अवशेष मंदिर

16वीं शताब्दी में निर्मित यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भगवान बुद्ध के पवित्र दंत अवशेष को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था, जिसमें चित्रित कक्ष, नक्काशीदार स्तंभ और सुनहरी मूर्तियां हैं।

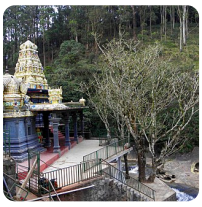
A.Savin · FAL



रामबोडा जलप्रपात

रामबोडा एला श्रीलंका के ऊंचे जलप्रपातों में शामिल है और इसके तीन खंड हैं; मध्य खंड A5 राजमार्ग से दिखाई देता है, जबकि शीर्ष खंड तक पहुंचने के लिए पुल के पास एक रास्ते से चढ़ाई करनी पड़ती है।

A.Savin · FAL



सीता अम्मन मंदिर

हक्गाला वानस्पतिक उद्यान के रास्ते में दिखने वाले इस मंदिर में राम और सीता की मूर्तियां हैं, साथ ही उनकी कथा को दर्शाते आधुनिक चित्र और मूर्तियां हैं।

Buddhika Mawella · CC BY-SA 3.0



दिवुरुम्पोला मंदिर

यह मंदिर उस स्थान को चिह्नित करता है जहां कहा जाता है कि सीता ने राम के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने के लिए अग्नि परीक्षा दी थी, और आज भी लोग यहां शपथ लेते हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 5 नुवारा एलिया

नुवारा एलिया में पूरे दिन का कार्यक्रम हॉर्टन प्लेन्स में ट्रेकिंग और शहर के भ्रमण को जोड़ता है।



हॉर्टन प्लेन्स राष्ट्रीय उद्यान

ओहिया के निकट स्थित यह पर्वतीय घास भूमि और बादल वन उद्यान वर्ल्ड्स एंड की कगार से दृश्य और बेकर्स फॉल्स की ठंडी बौछार प्रस्तुत करता है, साथ ही यहां स्थानीय वन्यजीवों और पुरातात्विक महत्व के स्थलों को भी देखा जा सकता है।

Faslan at en.wikipedia · CC BY-SA 3.0



नुवारा एलिया शहर भ्रमण

ऊंचाई पर पहाड़ी इलाके में स्थित नुवारा एलिया को अंग्रेजों ने इंग्लिश ग्रामीण कस्बे की शैली में बनाया था, जिसमें जॉर्जियाई और क्वीन ऐन शैली के घर, एक गोल्फ कोर्स, एक एंग्लिकन चर्च और पार्क शामिल हैं।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 6 नुवारा एलिया → एला → याला

याला की यात्रा एला में रुककर की जाती है, जहां चाय बागानों के दृश्य और एक प्रसिद्ध पुल व रेलवे स्टेशन पैदल घूमकर देखे जा सकते हैं।



एला

एला के आसपास के चाय बागान और पथरीला इलाका लिटल एडम्स पीक के दृश्य प्रस्तुत करते हैं। इस सैर में नाइन आर्चेस ब्रिज देखा जाता है और फिर डेमोडारा रेलवे स्टेशन तक जाया जाता है, जो अपनी लूप-ओवर ट्रैक संरचना के लिए जाना जाता है।

Dan arndt · CC BY-SA 4.0

दिन 7 याला → कटारागामा → याला

इस दिन याला राष्ट्रीय उद्यान में सुबह की जीप सफारी के साथ कटारागामा के एक प्रमुख हिंदू मंदिर की शाम की यात्रा जोड़ी गई है।

याला राष्ट्रीय उद्यान जीप सफारी

श्रीलंका के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में यह तीन घंटे की सफारी तेंदुओं, जंगली भैंसों, भालुओं और हाथियों के झुंडों के साथ अन्य वन्यजीवों को देखने का अवसर प्रदान करती है।



कटारागामा मंदिर

भगवान कार्तिकेय सुब्रमण्यम को समर्पित यह मंदिर किंवदंती में उनकी उस भूमिका से जुड़ा है जिसमें उन्होंने युद्ध के दौरान राजा रावण के अस्त्र से भगवान राम की रक्षा की थी। यहां प्रतिदिन तीन पूजाएं होती हैं, जिनमें श्रद्धालु फल, धूप और धन का अर्पण कर सकते हैं।

Ghostface Buddha · CC BY-SA 2.0

दिन 8 याला → उस्सानगोडा → गाले

गाले का मार्ग रामायण गाथा से जुड़े एक वीरान तटीय पठार से गुजरता है, इसके बाद रामायण से संबंधित एक पहाड़ी की सैर और गाले के पुराने शहर का भ्रमण किया जाता है।



उस्सानगोडा

यह वृक्षहीन तटीय क्षेत्र सर्पेंटाइन चट्टान पर स्थित है जिसमें विषैले भारी धातुएं मौजूद हैं, जो पौधों की वृद्धि को सीमित करती हैं। रामायण की कथा इसके बंजर रूप को हनुमान द्वारा राजा रावण की भूमि में लगाई गई आग से जोड़ती है, और यह भी कहा जाता है कि इसे रावण के उड़न-रथ के उतरने के स्थान के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

A.Savin · FAL



रुमासाला

गाले के पूर्व में स्थित यह पहाड़ी, जिसकी चोटी पर एक श्वेत बौद्ध स्तूप है, कहा जाता है कि यह द्रोणगिरि पर्वत का एक टुकड़ा है जो हनुमान द्वारा उसे लंका ले जाते समय उसकी औषधीय जड़ी-बूटियों के लिए गिरा था, और यह सीता के द्वीप पर ठहरने की कथा से भी जुड़ी है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



गाले शहर भ्रमण

1663 से अस्तित्व में आया गाले का डच-निर्मित किला एक प्रायद्वीप पर फैला है जो तीन तरफ से समुद्र से घिरा है और यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जिसकी पुरानी दीवारों और गलियों में उपनिवेशकालीन वास्तुकला की झलक मिलती है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 9 गाले → कोलंबो → नेगोंबो

उत्तर की ओर इस यात्रा में कोलंबो का शहर भ्रमण शामिल है, जिसके बाद रात्रि विश्राम के लिए नेगोंबो की ओर बढ़ा जाता है।



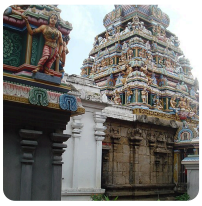
कोलंबो शहर भ्रमण

श्रीलंका की राजधानी के इस भ्रमण में ओल्ड लाइटहाउस, ओल्ड पार्लियामेंट, गाले फेस होटल, गाले फेस ग्रीन, गंगाराम मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे प्रमुख स्थल देखे जाते हैं, साथ ही इंडिपेंडेंस स्क्वायर और रेस कोर्स के आसपास के खरीदारी क्षेत्र भी शामिल हैं।

Gihanud2001 · CC0

दिन 10 नेगोंबो → एयरपोर्ट

अंतिम दिन में चिलाव के निकट एक मंदिर की यात्रा शामिल है, इसके बाद प्रस्थान के लिए एयरपोर्ट स्थानांतरण किया जाता है।



मुन्नेश्वरम मंदिर

चिलाव के निकट स्थित यह क्षेत्रीय हिंदू मंदिर परिसर कम से कम 1000 ईस्वी से अस्तित्व में है और किंवदंती में रामायण के राम से जुड़ा हुआ है। यह इस क्षेत्र में भगवान शिव को समर्पित पांच प्राचीन मंदिरों में से एक है।

Leon Meerson · CC BY-SA 2.0

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, Fuel, Parking & Highway tolls.
- Service of English-Speaking Chauffeur Guide.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation and Meals.
- Entrance fees to the respective sites.
- Chauffeur Guide's Accommodation.
- Expenses of personal nature.
- Visa and Related Expenses.
- Tips & Portages.